Shyama Prasad Mukherji Women College

Teaching Plan

Course and Year: B.A.(Hindi) 2nd year

Semester: IIIrd (अगस्त - जनवरी, 2023)

Taught individually or shared: Shared

Paper: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) **{Core}**

Sec. A

Faculty: A. डॉ. शगुन अग्रवाल (**UNIT 3, 4**)

B. डॉ॰ वंदना (**UNIT 1, 2**)

No. of Classes (per week){Class+Tute)**: 5+3=8 (Faculty: A-3+2 Faculty: B-2+1)**

Teaching Plan

Name of the Unit:

इकाई 1.

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण काल, नवजागरण की पृष्ठभूमि)
- नवजागरण की परिस्थितियाँ और भारतेंदु युग
- महावीर प्रसाद द्विवेदी : हिंदी पत्रकारिता और खड़ी बोली आंदोलन
- स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरणकालीन चेतना का उत्कर्ष, विभिन्न वैचारिक मत और हिंदी साहित्य से उनका संबंध

अगस्त माह :

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध संक्रमण की परिस्थिति, नवजागरण और भारतेंदु , आधुनिक काल हिंदी साहित्य का द्वार, आधुनिककाल और मध्यकाल-अर्थ, आधुनिकता का अर्थ एवं साहित्यिक चेतना, मध्यकालीन बोध और आधुनिक बोध में अंतर

सितंबर माह :

- नवजागरण की परिस्थितियाँ तथा भारतेंदु युग, भारतेंदु युग की संक्रमणकालीन परिस्थितियां, हिंदी पत्रकारिता और भारतेंदु युग
- भारतेंदु कालीन मंडल और नवजागरण की प्रवृत्तियाँ, भारतेंदु कालीन चेतना-परक काव्य परंपरा और पुनर्जागरण, भारतेंदु युग के कवि
- हिंदी पत्रकारिता और 'सरस्वती' का योगदान, हिंदी के प्रचार-प्रसार में योगदान, नवजागरण चेतना और द्विवेदी जी का योगदान, द्विवेदी जी युग-प्रवर्तक की भूमिका में तथा हिंदी के विकास में योगदान, खड़ीबोली के विकास में द्विवेदी जी का योगदान, हिंदी की जातीय शैली का विकास

अक्टूबर माह :

- आधुनिककाल में नवजागरण चेतना के उत्कर्ष, स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरण चेतना
- गांधीवादी आंदोलन का साहित्यिक चेतना पर प्रभाव, साहित्यिक चेतना चेतना का प्रभाव, यूनिट की पुनरावृत्ति एवं छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान, कक्षा में टेस्ट

इकाई 2.

- कथा साहित्य
- नाटक
- निबंध और अन्य गद्य विद्याएँ
- आलोचना

अक्टूबर माह :

- गद्य विधाओं का परिचय, स्वरूप, विकास यात्रा को समझाना, कथा साहित्य का विकासक्रम
- नई कहानी उद्भव और विकासक्रम, कहानी के रचना-स्वरूप, प्रमुख कहानी आंदोलन और कहानीकार, तत्कालीन परिस्थितियाँ और उसका प्रभाव

नवंबर माह :

- हिंदी नाटक की विकास यात्रा, हिंदी एकांकी का विकास, पाश्चात्य प्रभाव

- निबंध तथा अन्य गद्य साहित्य की विकास यात्रा का परिचय, रेखाचित्र परंपरा, रिपोतार्ज, आत्मकथा परंपरा एवं विकास शैली
- आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ परिचय एवं विकासक्रम, आलोचना का स्वरूप, कक्षा में टेस्ट

नवंबर, अंतिम सप्ताह तथा दिसंबर माह :

- यूनिट 1 एवं 2 की पुनरावृत्ति , कक्षा में पाठ्यक्रम पर चर्चा, विगत वर्षों में परीक्षाओं में पहले पूछे जा चुके तथा भावी परीक्षा के लिए संभावित प्रश्नों को कक्षा की चर्चाओं में एक जरुरी सन्दर्भ की तरह शामिल करके, प्रश्नों के उत्तरों की रूपरेखा पर विशेष चर्चा एवं प्रश्नोत्तर अभ्यास के लिए प्रेरित करना, सत्र के अंत में छात्राओं द्वारा फीडबैक

इकाई 3.

- छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियां
- उत्तर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियां
- प्रगतिवाद : परिवेश और प्रवृत्तियां
- प्रयोगवाद : परिवेश और प्रवृत्तियां
- नयी कविता: परिवेश और प्रवृत्तियां

सितंबर माह :

- हिंदी साहित्य का इतिहास पर सामान्य चर्चा
- प्रथम वर्ष में रीतिकाल तक पढ़े गए इतिहास पर बातचीत द्वारा छात्राओं की विषय संबंधी समझ को जानने का प्रयास
- मध्यकालीनता और आधुनिकता की अवधारणाओं पर चर्चा
- आधुनिक काल की परिस्थितियाँ एवं परिवेश
- साहित्यिक भाषा के रूप में खड़ी बोली का अविर्भाव तथा विकास
- भारतेंदु युग तथा द्विवेदी युग पर परिचयात्मक चर्चा
- ट्युटोरिअल्स
- कक्षा में हुई चर्चा से संबंधित सवालों पर बातचीत/अध्ययन सामग्री पुस्तकों आदि की जानकारी
- समूह परिचर्चा

अक्टूबर माह :

- छायावाद – परिभाषा एवं स्वरूप
- परिवेश एवं परिस्थितियाँ
- प्रमुख कवि
- राष्ट्रीय- सांस्कृतिक चेतना के कवि
- गीत विधा के कवि
- प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- उत्तर छायावाद – परिवेश एवं प्रवृत्तियां , प्रमुख कवि
- ट्युटोरिअल्स- विषय से संबंधी शंकाओं पर बातचीत, उत्तर लिखने की कला पर चर्चा तथा अभ्यास
- टेस्ट

नवंबर माह :

- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता – परिवेश प्रवृत्तियाँ
- तीनों में अंतर
- तीनों में लिखने वाले कवियों की कविताओं में मिलने वाले बारीक अंतर पर बातचीत

इकाई 4.

- साठोत्तरी कविता, नवगीत, समकालीन कविता
- समकालीन कथा और कथेत्तर साहित्य
- आलोचना और साहित्यिक पत्रकारिता
- अस्मिता विमर्श : दलित, आदिवासी और स्त्री

नवंबर माह :

- व्यंग्य, अश्लील, नग्न यथार्थवाद, नारेबाजी आदि कुछ विशिष्ट शब्दों पर चर्चा
- ट्युटोरिअल्स- विषय से संबंधी शंकाओं पर बातचीत, उत्तर लिखने की कला पर चर्चा तथा अभ्यास
- टेस्ट

दिसंबर माह :

- साठोत्तरी कविता, नवगीत, समकालीन कविता – प्रमुख प्रवृत्तियों पर चर्चा
- समकालीन कथा और कथेत्तर साहित्य – प्रमुख प्रवृत्तियों पर चर्चा
- आलोचना और साहित्यिक पत्रकारिता – प्रमुख प्रवृत्तियों पर चर्चा
- अस्मिता विमर्श : दलित, आदिवासी और स्त्री विमर्श के प्रमुख आयाम, अस्मितावादी चेतना और इसका साहित्यिक विधाओं पर पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा
- घोर व्यक्तिवाद, वीभत्स यौनवाद, मूल्य विघटन, मोहभंग जैसे कुंजी शब्दों पर चर्चा
- ट्युटोरिअल्स-छायावाद से समकालीन कविता तक पुनरावलोकन तथा चर्चा
- छात्राओं द्वारा तैयार नोट्स पर चर्चा
- विगत वर्षों में परीक्षाओं में पहले पूछे जा चुके तथा भावी परीक्षा के लिए संभावित प्रश्नों को कक्षा की चर्चाओं में एक जरुरी सन्दर्भ की तरह शामिल करके, प्रश्नों के उत्तरों की रूपरेखा पर विशेष चर्चा

Readings (in APA format)

Readings prescribed in the syllabus

- आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ- नामवर सिंह (लोकभरती प्रकाशन -2008)
- छायावाद- नामवर सिंह , राजकमल प्रकाशन , 2006
- तारसप्तक (पहला संस्करण और दूसरा संस्करण) और दूसरे सप्तक की भूमिकाएँ – संपा॰ अज्ञेय
- समकालीन हिन्दी कविता- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- हिन्दी साहित्य का इतिहास- संपा ॰ डॉ॰ नगेंद्र , नेशनल पब्लिक हाउस, 1986
- हिन्दी का गद्य साहित्य- रामचंद्र तिवारी (हिन्दी बूक सेंटर- 2006)
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास- रामस्वरुप चतुर्वेदी , लोक भारती प्रकाशन- 2008
- आधुनिक साहित्य- नन्ददुलारे वाजपेयी
- हिन्दी नवगीत: उद्भव और विकास- राजेंद्र गौतम
- भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ- रामविलास शर्मा , राजकमल प्रकाशन, 2008
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण- रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, 1977

Readings, e- references to be given to students but not prescribed in syllabus (if any)

- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरुप चतुर्वेदी , लोक भारती प्रकाशन-1994
- इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित सामाग्री
- हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपाल राय, राजकलम प्रकाशन , 2008
- हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा- रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, 2012
- समकालीन हिन्दी कविता का यथार्थ- परमानंद श्रीवास्तव, लोक भारती प्रकाशन- 1988
- हिन्दी नवगीत- युगीन संदर्भ- रांनारायण पटेल
- हंस के विमर्श- संपा॰ राजेंद्र प्रसाद विभास वर्मा (वाणी प्रकाशन, २०११)
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह , राजकमल प्रकाशन, 2018, 15 वा॰ संस्करण
- छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन

1. http://ignou.ac.in
2. http://sol.du.ac.in
3. http://epustakalay.com
4. http://egyankosh.ac.in

5. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/93495/8/08_chapter%203.pdf
6. http://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/27592/1/Unit-2.pdf
7. www.hindisamay.com
8. www.gadykosh.com
9. http://hanshindimagzine.in
10. http://ebooks.lpude.in/arts/ma_hindi/year_2/DHIN503_NAATAK_EVAM_KATHETAR_GADYA.pdf

No. of classes required to complete the unit (approx.):

1. **Unit I: No of Classes** -15
2. **Uniti II: No of Classes –**15
3. **Uniti II: No of Classes –**15
4. **Uniti II: No of Classes –**15

Sub topics to be covered and their order along with the respective time frames (if any)

Methodology of Teaching: लेक्चर एवं ट्यूटोरियल, विश्लेषणात्मक विधि, दृष्टांत विधि एवं प्रश्नोत्तरी विधि का प्रयोग, समय समय पर संबद्ध विषय विद्वानों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान का आयोजन, विषय की सैद्धांतिकी को सरल रूप में समझाने के लिए **PPT** के द्वारा रोचक प्रस्तुति, ई-लर्निंग से सम्बंधित स्रोत उपलब्ध कराना, पाठ्यक्रम इकाई को छात्राओं के विषय क्षेत्रों एवं सम्बंधित क्रियाओं से जोड़कर उनके अनुभवों का हिस्सा बनाया जायेगा, इकाई के ज्ञान को प्रश्नोत्तर, चर्चा एवं अभ्यास द्वारा प्रस्तुतिकरण, छात्राओं के विचारों की क्रमबद्धता बनाये रखने के लिए पढाई गयी विषयवस्तु पर लेख तैयार करवाकर, छात्राओं को विभिन्न अवधारणाओं को समझाने के लिए अवधारणाओं से जुड़ी विडियो क्लिप्स एवं आरेख के माध्यम से विभिन्न घटनाओं एवं अमूर्त विषयों को समझाकर, विषय के सम्बन्ध में अपनी जिज्ञासाओं से जुड़े छात्राओं द्वारा सभी प्रश्नों और उनकी जिज्ञासाओं को संतुष्ट करके, विगत वर्षों में परीक्षाओं में पहले पूछे जा चुके तथा भावी परीक्षा के लिए संभावित प्रश्नों को कक्षा की चर्चाओं में एक जरुरी सन्दर्भ की तरह शामिल करके, ट्यूटोरियल कक्षाओं में इन प्रश्नों के उत्तरों की रूपरेखा पर विशेष चर्चा एवं प्रश्नोत्तर अभ्यास के लिए प्रेरित करके, कक्षा के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखकर की चर्चाओं में अनावश्यक भटकाव न हो ताकि सत्र का समापन निर्धारित समय में हो सके, कक्षा एवं सत्र के अंत में छात्राओं द्वारा फीडबैक, कक्षा में भागीदारी के द्वारा शिक्षण.

ASSESSMENT

Tentative date of assessments/ assignments (time frame):

- सितंबर का तीसरा सप्ताह
- अक्टूबर का तीसरा सप्ताह
- नंवबर का प्रथम सप्ताह

Criteria of Assessment:

विषयवस्तु की समझ, अभिव्यक्ति एवं लेखन कौशल, भाषा की समझ एवं उसका प्रयोग